RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

जब आता पृथ्वी दिवस, उठता तभी सवाल।
फिर सब अगले साल पर, देते इसको टाल।
देते इसको टाल, टाल कर घर आ आते।
कर्मकांड कर पूर्ण, लोग फिर से सो जाते।
कह साहिल कविराय, यही लोगों को भाता।
चिंता उपजे तभी, दिवस पृथ्वी जब आता।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 102 | THURSDAY 23-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

चर्चा में आया राजनेता का एक तरफा प्रेम प्रसंग : महिला मेयर के बावजूद नामी राजनेता का विडो टीचर पर संबंध बनाने का दबाव

प्रेम प्रसंगो के लिए पहले भी कई राजनेताओं की चर्चाए रही गर्म

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। अक्सर ही राजनीति में ऐसी बातें सामने आती हैं कि राजनीति में महिला का शोषण होता है। फिर चाहें वे देश की राजनीति हो या जिले की। बात करें लुधियाना की तो शहर के कई राजनेताओं के प्रेम प्रसंग के किस्से सामने आ चुके हैं। यह किस्से लंबे समय तक शहर में चचाओं का विषय भी बने रहे। लेकिन अब शहर की राजनीति में एक तरफा प्रेस प्रसंग का एक नया मामला सामने आया है। जिसमें शहर की एक महिला राजनेता के लाइफ पार्टनर नेता की और से एक महिला पर राजनीतिक दबाव डालते हुए रिलेशन बनाने का प्रैशर बनाया जा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि जिस महिला पर दबाव डाला जा रहा है, वह एक स्कूल टीचर है। यहीं नहीं, जब महिला ने संबंध बनाने से इंकार किया तो नेता ने उस पर नगर निगम की कार्रवाई कराने की भी धमकी दे डाली। यह मुद्दा काफी गमार्या हुआ है। राजनीतिक गलियारें में लगातार इस संबंधी नेताओं द्वारा आपसी चर्चा की जा रही है। सभी को पता है कि वे राजनेता कौन है। लेकिन फिर भी सामने आकर बोलने से कतरा रहे हैं। लेकिन महिला द्वारा अब बिना किसी राजनीतिक डर से उक्त नेता के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है। जिसके चलते उन्होंने जल्द मामले संबंधी सीएम पंजाब और महिला आयोग को शिकार देने की बात कही है।

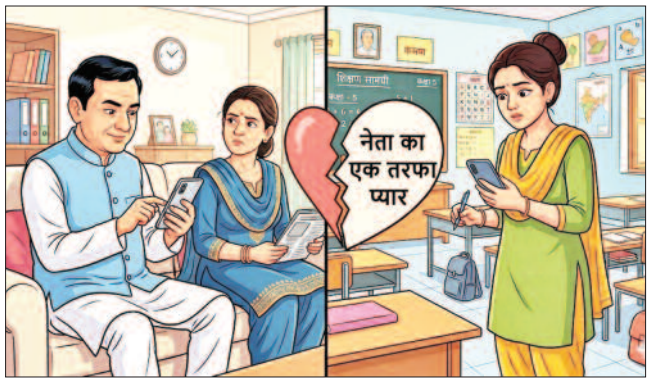

व्हाट्सएप पर भेजे अश्लील मैसेज

पीड़िता का आरोप है कि उक्त नेता द्वारा उसे व्हाट्सएप पर पहले नॉर्मल मैसेज भेजने शुरू किए गए। फिर धीरे धीरे उसे अश्लील मैसेज भेजने शुरू कर दिए गए। यहां तक कि उसने उनके शरीर को लेकर भी गलत शब्दावली प्रयोग की। लेकिन वह लगातार विरोध करती रही, मगर फिर भी नेता द्वारा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उसे मैसेज भेजने शुरू कर दिए गए। जबकि उनकी पुरानी तस्वीरों को लेकर भी गलत कमेंट किए। जिसके सभी सबूत उनके पास है। जिसे जल्द वे सामने लाएंगी।

पति के न होने का उठाया जा रहा फायदा

पीड़िता ने बताया कि वह स्कूल में सीनियर पद पर तैनात है। जिसके चलते उसकी अच्छी रेपुटेशन बनी हुई है। उसके पति की मौत हो चुकी है। इसके बारे में उक्त नेता को जानकारी मिली। जिसके बाद नेता ने संवेदना जताने के बहाने धीरे धीरे उसके करीब आना शुरू किया गया। जिसके बाद उसे आपत्तिजनक शब्दावली बोलते हुए सेक्सुअली टॉर्चर किया जाने लगा।

स्कूल में निचली पोस्ट पर जॉब करता था नेता

चर्चा है कि उक्त नेता कई साल पहले स्कूल में निचली पोस्ट पर जॉब करता था। इस दौरान ही उसकी उक्त महिला के साथ जान पहचान हुई थी। लेकिन फिर नेता राजनीति में आ गया और उनकी पत्नी एक अच्छी पोस्ट पर पहुंच गई। लेकिन इस बीच पीड़िता का नेता के साथ संपर्क नहीं रहा। मगर पति की मौत होने के बाद नेता ने दोबारा उसे मैसेज भेजकर संपर्क किया।

विरोध करने पर निगम कार्रवाई की धमकियां दी

पीड़िता का आरोप है कि पहले पति की मौत के कारण वे सदमे में थी, जिसके चलते उसने नेता की बातों पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब उसे समझ आया तो उसने विरोध करना शुरू कर दिया। जिसके बाद उसने नेता की बड़ी राजनेता पत्नी को इसकी जानकारी दी। लेकिन उसने अपने पार्टनर को समझाने की जगह उल्ट उस पर ही दबाव डालना शुरू कर दिया। फिर नेता ने पहले पैसों की ऑफर की, लेकिन न मानने पर उसने चुप कराने को नगर निगम द्वारा कार्रवाई कराने की धमकी दी।

डर के कारण कोई नहीं उठा रहा आवाज

चर्चा है कि उक्त नेता की पत्नी राजनीति में मौके की अफसर है। इसी के चलते सभी को मामले का पता होने के बावजूद वे डर के कारण आवाज नहीं उठा पा रहे। लेकिन कुछ बुद्धिजीवी लोग उक्त स्कूल टीचर की मदद का विचार कर रहे हैं। हालांकि पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस का भी लुधियाना से पुराना तालूक है। वे लंबे समय से शहर के वासी रहे हैं। अब देखना होगा कि क्या वे स्कूल टीचर की सहायता करेगें या नहीं।

पहले भी प्रेम प्रसंग के कई किस्से रहे चर्चा में

इससे पहले भी शहर में विभिन्न राजनितिक घरानों के प्रेम प्रसंग के किस्से खासी चर्चा में रहे हैं। जिसमें एक युवा राजनेता का घर के कैमरे में नैनी के साथ अश्लील हरकतों का किस्सा कैद होना, । अन्य युवा नेता का कारपोरेट डिजाइनर महिला के साथ प्रेम प्रसंग, तो नामी राजनेता के पुत्र का निगम की सफाई महिला मुलाजिम को शराब पीला गलत करने की कोशिश का किस्सा खूब सुर्खियों में रहा ! हलांकि इनकी पुष्टि तो किसी ने नहीं की लेकिन लोग ने चुस्कियां खूब ली !

जुड़ी बड़ी साजिश नाकाम, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने दो आरोपी दबोचे

जीरकपुर/यूटर्न/22 अप्रैल। एक अहम खुफिया अभियान में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर और आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे एक नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में संभावित बड़े हमलों की साजिश को समय रहते विफल कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी पाकिस्तान आधारित गैंगस्टर शहजाद भट्टी के निर्देश पर काम कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्वालियर निवासी विवेक बंजारा (19) और राजवीर (21) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (स्पेशल सेल) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आरोपी एक संगठित आपराधिक गिरोह का हिस्सा थे। उन्हें दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख होटलों और पंजाब के जीरकपुर स्थित एक क्लब समेत संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी, ग्रेनेड हमले और लक्षित हत्याएं करने का जिम्मा सौंपा गया था।

23th REMEMBRANCE

ਗੁਰਮੁਖ ਹੋਏ ਸੋ ਭਾਣਾ ਮੰਨੇ ਸਹਿਜੇ ਹਰ ਰਸ ਪੀਜੈ
ਜਿਸ ਕੀ ਵਸਤ ਸੋਈ ਲੈ ਜਾਏਗਾ ਰੋਸ ਕਿਸ ਸਿਓ ਕੀਜੇ॥

Our respected

S. DARSHAN SINGH JI KULAR

(05-11-1939 to 23-04-2003)

"There are no goodbye for us."
Wherever you are, you will always be in our hearts and Your life & deeds continue to inspire us.
"You will live in our hearts forever."

Deeply Remembered by

Jaspreet Kaur – Gurmeet Singh Kular
Manpreet Kaur – Jagdev Singh (Vicky) Kular
Charanjeet Kaur – Jagjit Singh Lotey
Kulwant Kaur – Raghbir Singh Sohal
Lakhvir Kaur – Ajmer Singh Matharoo
Jagtar Kaur – Jaswinder Singh Soothdar
Pavneet Kaur – Nayandeep Singh Komal
Guneet Kaur – Jasmeet Singh (Sahib) Kular
Gurmehar Singh – Gurjot Singh
Amaneet Kaur – Harjot Kaur – Prabhjot Kaur

S. Jagdish Singh Kular
S. Harmail Singh Kular
S. Sukhdev Singh Kular
S. Gurcharan Singh Kular
S. Harminder Singh Kular
S. Sukhwinder Singh Kular

KULAR GROUP OF INDUSTRIES

C-223, Phase VIII, Focal Point, Ludhiana 141 010

बाद में लेखापरीक्षा, अब हस्तांतरण: 590 करोड़ का बड़ा आईडीएफसी घोटाला

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। 590 करोड़ का घोटाला सिर्फ संख्याओं का मामला नहीं है। यह इस बात का भी मामला है कि संस्थागत जाँच को सुरक्षा उपायों के बजाय औपचारिकता मानकर सार्वजनिक धन को कितनी आसानी से गबन कराया जा सकता है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक मामले में हुए नवीनतम घटनाक्रम एक परिचित लेकिन बेहद चिंताजनक पैटर्न को उजागर करते हैं: मिलीभगत, दस्तावेजी धोखाधड़ी और बैंकिंग खामियों के माध्यम से प्रणालीगत कमजोरियों का फायदा उठाना। सीबीआई का तर्क है कि इस मामले के केंद्र में सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरा नेटवर्क है। विक्रम वधवा की कथित भूमिका अवैध रूप से अर्जित धन का उपयोग और वितरण अवसरवादी धोखाधड़ी से कहीं अधिक व्यापक है। यह एक संगठित तंत्र का संकेत देता है जहाँ धन का लेन-देन सुनियोजित, सटीक और

आसानी से हुआ धन का गबन

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरकारी धन का गबन कितनी आसानी से किया गया। हरियाणा सरकार के विभागों के नाम पर खाते खोलना और फिर उन्हें निजी खातों में स्थानांतरित करना। इस प्रक्रिया से बैंकिंग प्रणाली और सरकारी वित्तीय नियंत्रणों दोनों के भीतर सत्यापन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल उठते हैं। क्या चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज किया गया, या सिस्टम वास्तविक समय में हेराफेरी का पता लगाने के लिए बहुत कमजोर थे? एक बैंक कर्मचारी की संलिप्तता मामले को और जटिल बना देती है। इस पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी अंदरूनी मिलीभगत या लापरवाही के बिना शायद ही कभी सफल होती है। यह सक्रिय मिलीभगत थी या निगरानी में विफलता, यह महत्वपूर्ण होगा, लेकिन दोनों ही संभावनाएं एक गहरी संस्थागत समस्या की ओर इशारा करती हैं। बैंक वित्तीय अपराध के खिलाफ रक्षा की पहली पंक्ति हैं; यदि यह रेखा धुंधली हो जाती है, तो पूरी प्रणाली असुरक्षित हो जाती है।

सुनियोजित और दुस्साहसी था ऑपरेशन

फिर पैमाने का मुद्दा आता है। अकेले सिंगला भाई-बहनों के माध्यम से कथित तौर पर स्थानांतरित किए 292 करोड़ इस बात को रेखांकित करते हैं कि यह ऑपरेशन कितना सुनियोजित और दुस्साहसी था। यह मामूली गबन का मामला नहीं है - यह बड़े पैमाने पर धन की निकासी है, जिसे इतने आत्मविश्वास के साथ अंजाम दिया गया कि सैकड़ों करोड़ रुपये खातों में बिना तुरंत पता चले स्थानांतरित कर दिए गए। सीबीआई द्वारा बड़ी साजिश का पदार्फाश करने के लिए हिरासत में पूछताछ पर जोर देना महत्वपूर्ण संकेत देता है। इस तरह की जांच अक्सर पहचाने जाने योग्य व्यक्तियों से शुरू होती है, लेकिन मध्यस्थों, फर्जी संस्थाओं, मिलीभगत करने वाले अधिकारियों और वित्तीय माध्यमों सहित कई तरह के लोगों के जाल में उलझ जाती है।

शासन की अनवरत चुनौती को उजागर करता मामला

न्यायालय से परे, यह मामला शासन की एक अनवरत चुनौती को उजागर करता है: नीतिगत इरादे और जमीनी स्तर पर प्रवर्तन के बीच का अंतर। भारत ने अपने कानूनी ढांचे को मजबूत किया है, चाहे भ्रष्टाचार-विरोधी कानूनों के माध्यम से हो या भारतीय न्याय संहिता के माध्यम से, लेकिन प्रवर्तन अभी भी असमान बना हुआ है, क्योंकि प्रणालियां ऐसे दस्तावेजों पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं जिन्हें जाली बनाया जा सकता है और ऐसी प्रक्रियाओं पर जिन्हें दरकिनार किया जा सकता है। इसका एक व्यापक आर्थिक नुकसान भी है।

जांच का आगे बढ़ना जरुरी

अंततः, यह मामला किसी एक डेवलपर या मुट्ठी भर आरोपी व्यक्तियों के बारे में कम और उस संरचना के बारे में अधिक है जिसने उन्हें ऐसा करने में सक्षम बनाया। यदि जांच केवल गिरफ्तारियों और आरोपों तक ही सीमित रहती है, तो यह एक और सुर्खी बनकर रह जाएगी। यदि इससे संरचनात्मक सुधार होते हैं, कड़े बैंकिंग ऑडिट, सरकारी खातों की वास्तविक समय की निगरानी और संस्थानों के भीतर जवाबदेही तो यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। फिलहाल, अदालत में चल रही कहानी एक पुरानी सच्चाई की याद दिलाती है: भ्रष्टाचार उतनी ही तेजी से फैलता है जितनी तेजी से इसे रोकने के लिए बनाई गई व्यवस्थाएं फैलती हैं। सवाल यह है कि क्या ये व्यवस्थाएं पर्याप्त तेजी से विकसित हो रही हैं?

महत्वपूर्ण रूप से सहयोगात्मक तरीके से होता है। जांचकर्ताओं द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा लेयरिंग, डायवर्जन, मल्टीपल अकाउंट्स महज आकस्मिक नहीं है; यह उन तकनीकों को दर्शाती है जो आमतौर पर परिष्कृत वित्तीय अपराधों से जुड़ी होती हैं, न कि किसी एकांत अपराध से।

2018 की मृत महिला के नाम पर ही कर डाला सिलेंडर बुकिंग और डिलिवरी, आखिर इसका जिम्मेदार कौन ?

मिलन

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। पिछले दिनों अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के दौरान लुधियाना में कुछ गैस एजेंसी मालिकों पर जमकर कालाबाजारी करने के आरोप लगे। लेकिन तब मामला भी प्रशासन द्वारा एक्शन नहीं लिया गया। जिस कारण लोगों को एक-एक सिलेंडर 2 से 3 हजार रुपए में मिला। वहीं अब शहर में एक हैरानीजनक मामला सामने आया है। जिससे इस कालाबाजारी पर पक्की मुहर लग गई है। दरअसल, 2018 में एक बुजुर्ग महिला स्वर्गीय ज्ञान कौर की मौत हो गई थी। लेकिन उसके बावजूद उसके नाम पर सिलेंडर बुकिंग हुई और डिलिवरी भी हो गई। जबकि परिवार द्वारा उनकी गैस कापी पहले ही बंद करवाई जा चुकी है। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब महिला के पुत्र सुखजीवन सिंह को बुकिंग और डिलिवरी का मैसेज आया। सुखजीवन अनुसार न तो उन्होंने बुकिंग करवाई और न ही सिलेंडर मिला। किसी भी व्यक्ति की बुकिंग उसके अलावा सिर्फ संबंधित गैस एजेंसी ही कर सकती है। जिससे साफ है कि एजेंसी द्वारा जमकर कालाबाजारी की जा रही है। परिवार मुताबिक उक्त इंडियन गैस की एजेंसी चीमा चौक के नजदीक है। हैरानी की बात तो यह है कि प्रशासन मुताबिक कालाबाजारी नहीं हो रही, लेकिन अब सबुत सामने आने के बाद देखना होगा कि क्या अब प्रशासन एक्शन लेगा या नहीं। क्योंकि एजेंसी मालिक द्वारा पीड़ित परिवार पर दबाव डालने समझौता करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस कालाबाजारी के सबुत सामने आने के बावजूद आखिर विभाग क्यों शांत

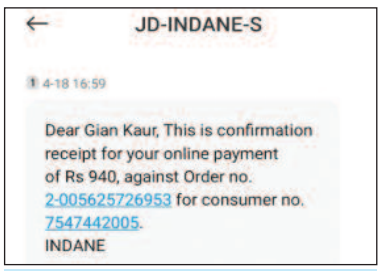

मृतक महिला के परिवार को सिलेंडर बुकिंग का आया मैसेज

कुछ एजेंसियों द्वारा दिखाई जा रही कमी, दूसरी तरफ ब्लैक मार्केटिंग जारी...वर्तमान समय में एलपीजी गैस की कमी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कई क्षेत्रों में कुछ एजेंसी मालिकों द्वारा कमाई के चक्कर में सिलेंडरों की कमी दिखाई जा रही है। जिससे उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा। दूसरी तरफ जमकर ब्लैक मार्केटिंग की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी उपभोक्ता के नाम पर बिना डिलीवरी के सिलेंडर को डिलीवर दिखा दिया जाए तो उस सिलेंडर को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जा सकता है। यह न केवल उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि सरकारी सब्सिडी और वितरण प्रणाली के साथ भी गंभीर छेड़छाड़ है।

जांच करने पर एजेंसी का चला पता...दाना मंडी के रहने वाले सुखजीवन सिंह ने बताया कि उन्हें मोबाइल पर गैस बुकिंग की पुष्टि और ऑनलाइन भुगतान का संदेश मिला, जिसके बाद डिलीवरी कन्फर्मेशन का मैसेज भी प्राप्त हुआ। यह देखकर वह हैरान रह गए क्योंकि उनके परिवार की ओर से इस प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। मामले की सच्चाई जानने के लिए जब उन्होंने अपने क्षेत्र की गैस एजेंसी से संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि उक्त सिलेंडर की डिलीवरी चीमा चौक इलाके की किसी गैस एजेंसी द्वारा सिस्टम में दर्ज की गई है। हालांकि, इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी या संतोषजनक जवाब उन्हें नहीं दिया गया।

सिस्टम की कार्यप्रणाली शक के घेरे में...इस पूरे घटनाक्रम ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ मृत व्यक्ति के नाम पर गैस कनेक्शन सक्रिय रहना और उस पर बुकिंग व डिलीवरी दिखाया जाना, वहीं दूसरी तरफ संबंधित विभागों द्वारा स्पष्ट जवाब न देना, पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर संदेह उत्पन्न करता है। सुखजीवन सिंह का कहना है कि उन्होंने कई बार समाधान के लिए प्रयास किया, लेकिन उन्हें कहीं से भी उचित जवाब नहीं मिला।

विभागों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल...सुखजीवन सिंह ने संबंधित विभागों और गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जब बिना बुकिंग और बिना डिलीवरी के सिस्टम में एंट्री हो सकती है, तो आम उपभोक्ता कैसे सुरक्षित है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके सवालों का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे संदेह और गहरा होता जा रहा है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या जांच करते हैं और क्या वास्तव में कोई ब्लैक मार्केटिंग का मामला सामने आता है या फिर सबूत होने के बावजूद इस मामले को दबा दिया जाता है।

क्या अफसरों की मिलीभगत से चल रहा काला कारोबार...वहीं इस मामले के सामने आने के बाद शहर में चर्चा छिड़ गई है कि एक तरफ तो जनता द्वारा बुकिंग कराने पर भी सिलेंडर नहीं बुक हो रहा, दूसरी तरफ बिना बुक करवाए बुकिंग होना चिंता का विषय है। चर्चा है कि कुछ एजेंसी मालिकों द्वारा कुछ अफसरों के साथ मिलीभगत करके यह काला कारोबार चलाया जा राह है। चर्चा है कि क्या इस सब के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क चलाया जा रहा है। जिसमें इस प्रकार के फर्जी डिलीवरी के जरिए गैस सिलेंडरों की हेराफेरी की जा रही हो।

पेज 06 मां बगलामुखी जयंती पर कष्ट निवारण महायज्ञ...

सिर्फ कागजों तक सीमित रह चुका फायर विभाग का सेफ्टी वीक?

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना फायर विभाग द्वारा हाल ही में अपना फायर सेफ्टी वीक मनाया गया। यह सेफ्टी वीक 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया। जिसकी शुरूआत लोकल अड्डा स्थित मुख्य ऑफिस से मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर और एडीएफओ जसविंदर सिंह द्वारा की गई। एक तरफ विभाग द्वारा जनता को फायर सेफ्टी संबंधी जागरुक करने के लिए यह वीक आयोजित किया, लेकिन दूसरी तरफ सरेआम फायर नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा जा रहा है। जिसे देख लगता है कि यह वीक सिर्फ कागजों तक सीमित है। शहर में कई ऐसी कमर्शियल इमारतें हैं, जिनके पास फायर विभाग की एनओसी न होने के बावजूद वे चल रही है। जबकि कई बिल्डिंगें बिल्डिंग बायलॉज के मुताबिक बन ही नहीं सकती थी, उन्हें एनओसी दे रखी है। चर्चा है कि अब ऐसी इमारतों पर एक्शन न लेकर विभाग खुद ही लोगों को खतरे में डाल रहा है, तो सेफ्टी वीक मनाकर लोगों को आगजनी की घटनाओं से बचने के तरीके बताने का क्या फायदा। ताजा उदाहरणें पुरानी कोतवाली स्थित प्रदीप सिंह की पीएस मोबाइल स्पेयर पॉट्स, भदौड़ हाउस में होटल विक्रांत, होटल महाराजा, होटल ग्रेट वॉल और होटल सरताज और घंटा घर शू मार्केट स्थित होटल नीलकंठ को सामने आई हैं। जहां बहुमंजिलां इमारतें बिना फायर नॉर्म्स पूरे किए बनी हैं और उन पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा।

पुरानी कोतवाली एरिया में बना शोरुम

वीक के दौरान अवैध इमारतों पर एक्शन लेना भी जरुरी

फायर विभाग द्वारा आग से सुरक्षा, जान माल की पूरी रक्षा स्लोगन के तहत यह सेफ्टी वीक मनाया गया। सेफ्टी वीक के दौरान लोगों को आगजनी की घटना होने पर कैसे खुद का बचाव करना है और फायर ब्रिगेड आने से पहले कैसे आग पर काबू पाया जा सकता है, संबंधी अवेयर किया गया। हालांकि लोगों में चर्चा है कि इससे ज्यादा जरुरी विभाग को इस वीक के दौरान शहर की अवैध इमारतों पर एक्शन लेना चाहिए था। क्योंकि अगर इमारतों में ही फायर यंत्र इंन्स्टाल होंगे, तो जानी माली नुकसान होने से बचाव हो सकेगा। लेकिन विभाग द्वारा अपनी जिम्मेदारी न निभाते हुए, खुद ही लोगों को अपना बचाव करने के तरीके बताए जाते रहे।

होटल नीलकंठ

होटल ग्रेट वॉल

होटल महाराजा

होटल सरताज

होटल विक्रांत

क्या निगम कर रखी है गलत कंपाउंडिंग...वहीं फायर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सभी होटलों के नगर निगम द्वारा नक्शे पास किया है। उसी के आधार पर वह आगे की जांच करते हैं। लोगों में चर्चा है कि अगर निगम ने गलत कंपाउंडिंग की है, तो फायर विभाग को अपने सत्र पर सही जांच करके उन्हें सील किया जा सकता था। लेकिन फायर विभाग ने भी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। एफएसओ करतार सिंह का कहना था कि होटल नीलकंठ को निगम ने परमिशनें दी है, उसे देखकर ही हमने एनओसी दी थी। अब निगम ने उक्त होटल को किस आधार पर परमीशनें दी, यह जांच का विषय है।

***पुरानी कोतवाली में फायर ब्रिगेड भी नहीं घुस सकेगी...**वहीं पुरानी कोतवाली एरिया में 10 फीट की सड़क पर 40 गज में बेसमेंट समेत छह मंजिलां पीएस मोबाइल शोरुम चल रहा है। वे गलियां इतनी तंग हैं कि अगर उक्त एरिया में कही आगजनी की घटना हो जाए तो फायर ब्रिगेड भी नहीं घुस सकेगी। ऐसे में वहां इतनी ऊंची इमारतें बना दी जा रही है और फायर विभाग को पता ही नहीं चल पा रहा या पता होने पर भी कार्रवाई नहीं हो रही।*

भदौड़ हाउस होटलों पर भी बीच में रोकी कार्रवाई...भदौड़ हाउस में बने होटल विक्रांत, होटल महाराजा, होटल ग्रेट वॉल और होटल सरताज भी एलआईटी के कई एससीओ की जगह पर बने है। नियमों के मुताबिक यह बन नहीं सकते थे। लोकल बॉडी विभाग के डायरेक्टर के आदेशों पर फायर विभाग के पूर्व एडीएफओ मनिंदर सिंह ने उक्त होटलों पर कार्रवाई भी शुरू की थी। तीन बार नोटिस जारी किए, लेकिन जब एक्शन लेने की तारीख आई तो विभाग ने कहा कि होटल प्रबंधकों ने आश्वासन दिया है कि वे फायर सेफ्टी यंत्र पूरे कर लेगें। हालांकि नियमों के मुताबिक वे बिल्डिंग ही नहीं बन सकती थी, तो यंत्र पूरे करने का कोई तूक ही नहीं था।

फायर अधिकारियों ने जारी की थी गलत एनओसी...वहीं शू मार्केट के नजदीक 10 फीट की गली में बने पांच मंजिलां होटल नीलकंठ को जो फायर विभाग ने गलत तरीके से एनओसी तक जारी कर दी थी। जब खुलासा हुआ तो इस मामले में पूर्व एडीएफओ सवरन चंद और मौजूदा एफएसओ करतार सिंह फंसते हुए नजर आए। जिन्होंने अपना बचाव करने को एनओसी कैंसिल कर दी। लोकल बॉडी विभाग के डायरेक्टर ने दोनों अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार्जशीट तक तैयार कर दी। जिसके बाद आज तक उक्त होटल बिना एनओसी के चल रहा है। पता होने के बावजूद अफसर उसका बचाव करने में लगे हैं। वहीं इस संबंधी कुछ दिन पहले मौजूदा एडीएफओ जसविंदर सिंह और एफएसओ करतार सिहं को भी जानकारी है। लेकिन अधिकारी शिकायत न आने और किस किस बिल्डिंग को चैक करें, इसका बहाना लगाकर टाल मटोल में लगे हैं।

कई इमारतों की अफसरों को है जानकारी

बता दें कि शहर की कई ऐसी इमारतें हैं, जिनमें फायर सेफ्टी यंत्र या तो पूरे नहीं है और या एनओसी नहीं है। चर्चा है कि इस संबंधी फायर अफसर खुद भी जागरुक है। लेकिन फिर भी एक्शन न ले पा रहे हैं। अब इसके पीछे के कारण अभी तक पता नहीं चल पा रहे हैं।

सेफ्टी वीक में सिर्फ जागरुक करते हैं

वहीं एफएसओ करतार सिंह का कहना है कि सेफ्टी विभाग में सिर्फ लोगों को जागरुक किया जाता है। बाकी फायर सेफ्टी के नियमों के मुताबिक नहीं बने होटलों और शोरुम संबंधी एडीएफओ से बात करें। वहीं एडीएफओ से संपर्क नहीं हो सका।

26 अप्रैल को होने वाली विशाल पंथक सभा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना में 26 अप्रैल को अकाली दल वारिस पंजाब दे द्वारा आयोजित की जा रही विशाल पंथक सभा की तैयारियों के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान लुधियाना के ऑब्जर्वर प्रिथीपाल सिंह, वरिष्ठ पार्टी नेता राजीव कुमार लवली, जसवंत सिंह चीमा, इंद्रजीत सिंह एडवोकेट, गुरप्रीत सिंह सोनू उपस्थित रहे और इस सभा को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकताओं के साथ विचार-विमर्श किया गया। प्रिथीपाल सिंह और राजीव कुमार

लवली ने बताया कि 26 अप्रैल रविवार को आशा रानी पार्क, राम नगर के पास मुंडियां कलां में अकाली दल वारिस पंजाब दे द्वारा संगठन के संरक्षक बापू तरसेम सिंह के नेतृत्व में पंथक सभा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य के मौजूदा हालात से परेशान लोग बड़ा राजनीतिक बदलाव चाहते हैं और 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में बनने वाली पंथक सरकार लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए काम करेगी। इस मौके पर अन्य के अलावा बाबा दर्शन सिंह पंच, प्रगट सिंह, रिंकू राठौर, मधु सूदन, अवतार सिंह, सुरजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, जोरा सिंह, मनमोहन सिंह, जसराज सिंह, जसवीर सिंह, अमृतपाल सिंह, हरप्रीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, गुरजीत सिंह, गुरचरण सिंह चौहान, शुभ शर्मा, हरमीत सिंह, दान सिंह भी मौजूद रहे।

वार्ड 88 में विधायक बग्गा ने हाई मास्ट लाइटें का उद्घाटन किया

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना हल्का उत्तरी के वार्ड नंबर 88 में स्थित शिव मंदिर के पास हाई मास्ट लाइटें लगाई गई हैं, जिनका उद्घाटन हल्का नॉर्थ आप विधायक मदन लाल बग्गा ने किया। उन्होंने कहा कि मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस पहल से इलाके में रोशनी की बेहतर व्यवस्था होने के साथ सुरक्षा भी बढ़ेगी। इस मौके पर पार्षद अमन बग्गा खुराना, नीरज बुटा आहूजा सहित बड़ी संख्या में इलाके के निवासी मौजूद रहे।विधायक मदन लाल बग्गा ने कहा कि इलाके के विकास और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कार्य करवाया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे। वहीं पार्षद नीरज आहूजा बूटा ने कहा कि मंदिर में रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, खासकर शाम के समय रोशनी की कमी के कारण परेशानी होती थी। अब हाई मास्ट लाइटें लगने से श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी और इलाके में सुरक्षा भी मजबूत होगी।

मां की डांट से नाराज होकर घर छोड़ने वाले 14 वर्षीय किशोर को पुलिस ने 4 घंटे में ढूंढ निकाला

पंचकूला/यूटर्न/22 अप्रैल। पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का सराहनीय उदाहरण पंचकूला में देखने को मिला। मनसा देवी थाना पुलिस की टीम ने 14 वर्षीय नाबालिग किशोर को महज 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित ढूंढकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चा अपनी मां की डांट से नाराज होकर घर छोड़कर चला गया था।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात करीब 9 बजे किशोर गुस्से में घर से बिना बताए निकल गया। जब परिजनों ने उसे घर पर नहीं पाया, तो उन्होंने तुरंत मनसा देवी थाना पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मुनीष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल सर्च अभियान शुरू किया। पुलिस ने बच्चे के रिश्तेदारों, दोस्तों और आसपास के क्षेत्रों में संभावित स्थानों पर तलाश की।

करीब 4 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद देर रात लगभग 1 बजे पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित ढूंढ निकाला। इसके बाद पुलिस ने बच्चे की काउंसलिंग की और उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहिए, ताकि वे अपनी समस्याएं खुलकर साझा कर सकें। साथ ही, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और भावनाओं को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिससे वे कोई गलत कदम न उठाएं।

'सेवा, सुरक्षा, सहयोग': पंचकूला पुलिस का मानवीय चेहरा, झुग्गी-झोपड़ियों में बांटी खुशियां और खाद्य सामग्री

पंचकूला/यूटर्न/22 अप्रैल। कानून व्यवस्था और सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली पंचकूला पुलिस का संवेदनशील और मानवीय चेहरा उस समय सामने आया, जब खाकी वर्दी में जवान और अधिकारी जरूरतमंदों की मदद के लिए झुग्गी-झोपड़ियों में पहुंचे। अपराध पर नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस टीमों ने अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर समाज के वंचित वर्ग के साथ खुशियां साझा कीं। इस विशेष अभियान के तहत पंचकूला पुलिस के सभी थानों और चौकियों की टीमों ने अपने-अपने क्षेत्र में आने वाले झुग्गी-झोपड़ी इलाकों का दौरा किया। पुलिसकर्मियों ने वहां रहने वाले बच्चों, बुजुर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से मुलाकात कर उन्हें खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान वितरित किया। वर्दी में आए पुलिसकर्मियों को अपने बीच पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और लोगों ने भी पुलिस के इस मानवीय व्यवहार की सराहना की।

इस पहल का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों की मदद करना ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग में सुरक्षा और विश्वास की भावना को मजबूत करना भी है। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि पुलिस का मुख्य कर्तव्य जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है, लेकिन इसके साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान समय निकालकर जरूरतमंदों तक पहुंचना पुलिसकर्मियों के लिए एक सकारात्मक अनुभव रहा, जिससे पुलिस और जनता के बीच दूरी कम होती है। उन्होंने आगे कहा कि जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान आती है, तो इससे पुलिस टीम का मनोबल भी बढ़ता है। ऐसे प्रयासों से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ता है और वे अपनी समस्याएं लेकर पुलिस के पास आने में झिझकते नहीं हैं। पंचकूला पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के साथ-साथ भविष्य में भी इस तरह के जनसेवा कार्य जारी रखे जाएंगे, ताकि 'सेवा, सुरक्षा, सहयोग' के मूल मंत्र को सार्थक किया जा सके।

टेक्नोक्रेट सरदार दर्शन सिंह जी कुलार को हमेशा याद रहेंगे

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। सरदार दर्शन सिंह जी कुलार को स्वर्ग सिधारे हुए 23 साल हो गए हैं। सरदार रतन सिंह जी कुलार के चार पुत्रों में से चार बेटे में सरदार दर्शन सिंह कुलार, सरदार अजीत सिंह कुलार और सरदार प्रीतम सिंह कुलार के बाद तीसरे बेटे थे, जबकि सरदार मुख्तियार सिंह कुलार उनसे छोटे थे। 1955 में जीजीएन खालसा स्कूल गुरुसर सुधर से मैट्रिक पास करने के बाद लुधियाना जाकर, सन 1956 में कुलार भाइयो ने अपना खुद का व्यवसाय स्थापित किया और किराए की इकाई देवकी नंदन एंड संस में साइकिल मडगार्ड का निर्माण शुरू किया।

1962 में, उन्होंने अपनी इकाई कुलर साइकिल इंडस्ट्रीज शुरू की, जहाँ उन्होंने पहले मशीनरी और फिर साइकिल के मडगार्ड और रिम्स का उत्पादन किया। सरदार दर्शन सिंह जी कुलार, जिन्हें भारतीय साइकिल इंडस्ट्री में एक टेक्नोक्रेट के रूप में जाना जाता है, 22 साल पहले सरदार दर्शन सिंह कुलार जी का निधन 23 अप्रैल, 2003 में हुआ; उनके दो बेटे सरदार गुरमीत सिंह कुलार और सरदार जगदेव सिंह कुलार ने विरासत को आगे बढ़ाया और व्यवसाय को तेजी से बढ़ाया और सैम्भी साइकिल और ऑटो इंडस्ट्रीज यूनिट नंबर 2, दर्शन उद्योग, कुलार इंटरनेशनल, कुलार इंडस्ट्रियल कारपोरेशन और कुलार संस नामक फर्मो का विकास कियो इसके अलावा सरदार गुरमीत सिंह कुलार फिको (फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल ऑर्गेनाइजेशन) के प्रधान, हैड पंजाब स्टेट - आयी.एमएसएमई.ऑफ.इंडिया और राष्ट्रीय स्तर की प्रबंध समिति के सदस्य पी एच डी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री हैं और उद्योगिक समुदाय की सेवा कर रहे हैं। श्री जगदेव सिंह कुलार आई.टी.आई. अमृतसर के चेयरमैन हैं जहां 700 से अधिक छात्र तकनीकी शिक्षा प्राप्त करते हैं। हर साल सरदार दर्शन सिंह जी कुलार की याद में कुलार परिवार फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन करता है। उनकी पुण्यतिथि पर, कुलार परिवार सरदार दर्शन सिंह जी कुलार को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

-गुरमीत सिंह कुलार ।

गैंगस्टर पर आधारित वेब सीरीज विवादों में, हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

अजीत झा.

चंडीगढ़। पंजाब में गैंगस्टर संस्कृति को लेकर जारी बहस के बीच एक नई वेब सीरीज ने कानूनी मोर्चा खोल दिया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ZEE5 पर प्रस्तावित 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' वेब सीरीज के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है।

यह याचिका पंजाब कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग द्वारा दाखिल की गई है। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार की तारीख तय की है। याचिका में कहा गया है कि यह वेब सीरीज कथित तौर पर कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जीवन पर आधारित है, जिसमें उसके छात्र जीवन से लेकर अपराध जगत में उसके उभार तक की कहानी दिखाई गई है।

'अपराध का महिमामंडन' का आरोप

याचिकाकर्ता का कहना है कि इस तरह की प्रस्तुति अपराधियों की छवि को महिमामंडित करती है और समाज, खासकर युवाओं पर नकारात्मक असर डाल सकती है। याचिका में तर्क दिया गया है कि पंजाब पहले ही गैंगस्टर गतिविधियों से प्रभावित है और ऐसे में

इस प्रकार का कंटेंट गलत संदेश दे सकता है।

ओटीटी कंटेंट पर उठे सवाल

याचिका में यह मुद्दा भी उठाया गया है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाले कंटेंट के लिए सख्त और प्रभावी निगरानी तंत्र की कमी है, जिसके चलते संवेदनशील विषयों पर बनी सामग्री बिना पर्याप्त जांच के दर्शकों तक पहुंच जाती है।

पहले भी उठाया गया था मामला

बताया गया है कि इस संबंध में 21 अप्रैल को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और संबंधित प्लेटफॉर्म को भी प्रतिनिधित्व भेजकर वेब सीरीज पर रोक लगाने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

कोर्ट से क्या मांग

याचिकाकर्ता ने अदालत से अपील की है कि इस वेब सीरीज के प्रसारण पर तत्काल रोक लगाई जाए और भविष्य में इस तरह के कंटेंट के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए जाएं। अब इस मामले में हाई कोर्ट की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि विवादित वेब सीरीज पर आगे क्या रुख अपनाया जाता है।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 पुलिस का 2 महीने लंबा सर्च ऑपरेशन सफल...

कट गया मामला: चंडीगढ़ सैलून ने हेयर-राइज़िंग पर की गलती, कोर्ट ने लगाया 50,000 का जुर्माना

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। खराब सर्विस पर नकेल कसते हुए, ज़िला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने शहर के एक सैलून को गलत हेयरकट के लिए 50,000 रुपए का जुमार्ना भरने का आदेश दिया है। सेक्टर 21-बी के रहने वाले एमपी भरारा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 2025 में कई बार सैलून जाने के दौरान, सैलून ने उनकी पोती साक्षी के बालों की स्टाइलिंग करते समय निदेर्शों का पालन नहीं किया। जिसका नतीजा यह हुआ कि बाल वैसे नहीं बने जैसा चाहा गया था और आखिरकार सैलून मुश्किल में पड़ गया। चंडीगढ़ के सेक्टर 21-बी के रहने वाले एमपी भरारा ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने 1 अगस्त, 17 अगस्त और 17 अक्टूबर, 2025 को अपनी पोती साक्षी के हेयरकट और ट्रीटमेंट के लिए सेक्टर 9-सी, मध्य मार्ग में स्थित फेमिना प्लस लक्स सैलून से सर्विस ली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सैलून के लापरवाह और गैर-पेशेवर रवैये से उनकी पोती के लंबे बाल खराब हो गए। शिकायत के अनुसार, हेयरकट एक जैसा नहीं था और उसे ठीक से नहीं किया गया था, जिससे उन्हें परेशानी और शर्मिंदगी उठानी पड़ी। उन्होंने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत 'सेवा में कमी' का एक स्पष्ट मामला बताया।

राशि की वसूली तक 6 प्रतिशत लगेगा ब्याज

दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद, आयोग ने सैलून को 'सेवा में कमी' का दोषी ठहराया और आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के 45 दिनों के भीतर ₹50,000 का एकमुश्त मुआवजा देने का निर्देश दिया। ऐसा न होने पर, आदेश की तारीख से लेकर राशि की वसूली होने तक, इस राशि पर 6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज लगेगा।

११ हजार का किया था भुगतान

भरारा ने आगे कहा कि उन्होंने इन सेवाओं के लिए 22,000 रुपए का भुगतान किया था, लेकिन बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, सैलून ने बिल नहीं दिए और न ही पैसे वापस करने या बालों का दोबारा ट्रीटमेंट करने से मना कर दिया। उन्होंने आर्थिक नुकसान, मानसिक उत्पीड़न और बालों के आगे के इलाज के लिए 1 लाख के मुआवजे की मांग की। हालांकि, सैलून ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए शिकायत को मनगढ़ंत और मानहानिकारक बताया। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि भरारा उपभोक्ता नहीं थे, क्योंकि बिल साक्षी भरारा के नाम पर जारी किए गए थे। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि शिकायत के साथ जमा किया गया बिल 7,640 रुपए का था, न कि 22,000 रुपए का।

हरियाणा कैबिनेट ने 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य कैबिनेट ने 27 अप्रैल को हरियाणा विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र को मंजूरी दे दी है, जिसके दौरान हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज रिक्रूटमेंट एंड कंडीशंस ऑफ सर्विस बिल, 2026 पेश किया जाएगा। कैबिनेट बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, विशेष रूप से कॉमन कैडर सिस्टम के तहत ग्रुप डी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए करियर में आगे बढ़ने के अवसरों में काफी सुधार करना है। सैनी ने कहा कि कैबिनेट ने बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी है, जिसमें योग्य ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए क्लेरिकल पदों पर प्रमोशन का कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा, ₹जिन कर्मचारियों ने पाँच साल से ज्यादा की सेवा पूरी कर ली है, वे अब क्लर्क के पदों पर प्रमोशन के लिए योग्य होंगे,₹ और साथ ही कहा कि इस कदम से कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग को फायदा होने की उम्मीद है।

एक्स-ग्रेशिया पदों का प्रावधान

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि मसौदे के प्रावधानों में 5 प्रतिशत 'एक्स-ग्रेशिया' (अनुग्रह) पदों का प्रावधान है, जिन्हें कर्मचारियों के कल्याण के उपायों को और मजबूत करने के लिए भर्ती नियमों में शामिल किया जाएगा। प्रशासनिक फैसलों के अलावा, सैनी ने विपक्षी दलों पर तीखा राजनीतिक हमला बोला, और 16 और 17 अप्रैल को संसद में हुई घटनाओं का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने देश के सामने विपक्षी दलों का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है।

विपक्ष ने सत्ता की भूख साबित की

उन्होंने कहा, विपक्ष ने खुद को महिला-विरोधी और सत्ता का भूखा साबित कर दिया है। इन दिनों को देश के इतिहास में एक 'काला अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, विपक्षी दलों ने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को केवल एक'वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है, जबकि उन्हें फैसले लेने की प्रक्रियाओं में सार्थक भागीदारी से वंचित रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों का ज़िक्र करते हुए सैनी ने कहा, महिलाओं की भागीदारी कोई खैरात नहीं, बल्कि उनका अधिकार है। उन्होंने 'परिसीमन' (सीमांकन) को लेकर विपक्ष के दावों को भी खारिज कर दिया, और कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही तथ्यों के साथ यह स्पष्ट कर चुके हैं कि किसी भी राज्य के प्रतिनिधित्व में कोई कमी नहीं की जाएगी।

महिला मतदाता देंगी कड़ा जवाब

सीएम सैनी ने कहा कि आने वाले समय में महिला मतदाता ऐसी राजनीति का कड़ा जवाब देंगी। उन्होंने कहा, महिलाएँ अपनी वोट की ताकत का इस्तेमाल करके उन दलों को करारा जवाब देंगी जो उनके सशक्तिकरण का विरोध करते हैं। आगामी विशेष विधानसभा सत्र में लिपिकीय सेवाओं में सुधारों तथा राज्य सरकार के भीतर प्रतिनिधित्व और कार्यबल की गतिशीलता के व्यापक मुद्दे पर महत्वपूर्ण बहस होने की उम्मीद है।

लेजर वैली में स्टंट पड़ा भारी: कोर्ट ने लगाई जुर्माने के साथ सफाई की सजा

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। शहर के सेक्टर-10 स्थित लेजर वैली के वॉकिंग ट्रैक पर कार दौड़ाने वाले युवक को अदालत से सख्त संदेश मिला है। सीजेएम कोर्ट ने आरोपी को न केवल जुमार्ना भरने का आदेश दिया, बल्कि उसी स्थान पर सामुदायिक सेवा करते हुए सफाई करने की सजा भी सुनाई है। यह मामला तब सामने आया जब किसी राहगीर ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो वायरल होते ही पुलिस और ट्रैफिक विभाग ने कार्रवाई करते हुए वाहन की पहचान की और उसे जब्त कर लिया। जांच में पता चला कि कार मोहाली निवासी साहिल कौशल चला रहा था। ट्रैफिक पुलिस ने पहले ही करीब 16 हजार रुपये का चालान किया था। वहीं, अदालत ने खतरनाक ड्राइविंग के मामले में 5 हजार रुपये का अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट ने आरोपी को चार दिन तक लेजर वैली में सफाई करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में आदेश नगर निगम को भेज दिए गए हैं, जो रोजाना उसकी उपस्थिति दर्ज करेगा और सजा पूरी होने के बाद रिपोर्ट अदालत में पेश करेगा। यह फैसला सार्वजनिक स्थानों पर लापरवाही और स्टंट करने वालों के लिए कड़ा संदेश माना जा रहा है।

मानसून से पहले सड़कों की मरम्मत पूरी करने के निर्देश, सेक्टर-34 और 35 में निरीक्षण

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन चंडीगढ़ के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने आगामी मानसून को देखते हुए शहर में चल रहे सड़क कट और मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एरिया पार्षद प्रेम लता और संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-35 बी की बीबीएमबी कॉलोनी और सेक्टर-34 सी की वी-6 सड़कों का दौरा किया गया। मुख्य अभियंता ने यहां चल रहे कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और गति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सड़क मरम्मत और रिस्टोरेशन कार्य मानसून शुरू होने से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि देरी होने पर न केवल लोगों को परेशानी होगी, बल्कि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या भी बढ़ सकती है। वहीं, एरिया पार्षद प्रेमलता ने स्थानीय निवासियों की समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं और कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय समयसीमा में काम पूरा करने पर जोर दिया। नगर निगम ने कहा है कि शहर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और मानसून के दौरान सुरक्षित व सुचारु यातायात सुनिश्चित करने के लिए ऐसे निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

Happy Birthday

Rajesh Sharma

Happy Birthday

Isha Bansal

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

किचन गार्डन का बढ़ता चलन

आजकल भारत में घर पर किचन गार्डन बनाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लोग अपने घरों की छतों, बालकनियों और आंगनों में सब्जियां और फल उगाने के प्रति उत्साहित हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण ताजा, शुद्ध और रसायन-मुक्त भोजन की बढ़ती मांग है। बाजार में मिलने वाली सब्जियों और फलों में कीटनाशकों के उपयोग से लोग चिंतित हैं, इसलिए वे स्वयं उगाने को अधिक सुरक्षित विकल्प मानते हैं। किचन गार्डन न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। इससे हरियाली बढ़ती है और प्रदूषण कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, यह एक अच्छा शौक भी बन गया है, जिससे लोगों को मानसिक शांति और संतोष मिलता है। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति लगाव बढ़ता है और वे पौधों की देखभाल करना सीखते हैं। सरकार और कई संस्थाएं भी लोगों को किचन गार्डन बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। आजकल इंटरनेट और सोशल मीडिया पर भी इससे जुड़ी जानकारी आसानी से उपलब्ध है। इस तरह, किचन गार्डन एक स्वस्थ, आत्मनिर्भर और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली की ओर बढ़ता कदम बन चुका है।

मां बगलामुखी जयंती पर कष्ट निवारण महायज्ञ, श्री गीता मंदिर में होगा आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। मां बगलामुखी जयंती के अवसर पर शुक्रवार 24अप्रैल को सायं 4.30 बजे कष्ट निवारण महायज्ञ हवन पक्खोवाल रोड पर स्थित श्री गीता मंदिर बगलामुखी धाम को प्रकांड विद्वान पंडितों द्वारा कार्य जाएगा। इस अवसर पर उनका पूजन हवन करने से बहुत लाभ मिलता है। हर प्रकार के शारीरिक कष्ट,कोर्ट कचहरी,पैसे की तंगी, किसी से वैर विरोध , पढ़ाई में रुकावट और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए मां बगलामुखी जी हवन से लाभ होता है।

श्री गीता मंदिर विकास नगर में सांझा हवन 4.30बजे सायं शुरू होगा।पंडित रमा कांत और पंडित मंगला नंद जोशी ने बतलाया कि मंदिर सभा द्वारा हवन के लिए विशेष जड़ी बूटियों की हवन सामग्री के कुछ पैकेट तैयार किए गए हैं। जिनमें लालमिर्च डंडी वाली, जटामासी, लोभान, सिमर के फूल,लाल गुंजा (रतिया) पीली सरसों, काले सफेद तिल, फुलिया, हवन सामग्री आदि मिक्स हैं। हवन के उपरांत प्रसिद्ध धार्मिक गायक रवि शर्मा

पार्टी द्वारा मां का संगीतमय गुणगान किया जायेगा। इस की जानकारी मंदिर के महासचिव प्रदीप ढल ने कहा कि मां बगलामुखी जी का मंदिर पूरी विधिविधान से और मां बगलामुखी जी का सौम्य स्वरूप सुश्री रचना शर्मा ने अपनी पूज्य स्वर्गीय श्रीमती सरोज रानी जी की स्मृति में मई 2012 को स्थापित करवाया था।

मंदिर के गुंबद के अंदर शिखर पर माता जी का यंत्र भी है। इस मंदिर में पूजा हवन आदि करने आशातीत फल मिलता है। भक्तों का इस मंदिर प्रति पूरी श्रद्धा और विश्वास है। जयंती के शुभ अवसर को केक आदि न काट करके बल्कि धार्मिक रीति से हवन आदि करके मनाया जाता है। सारे मंदिर परिसर को पीला रंग करवाया गया है और सजावट देखने योग्य है। मंदिर सभा का यह उद्देश्य है हर प्राणी इनकी पूजा और हवन करवा सके ऐसे सुंदर व्यवस्था की है। इस अवसर पर मां का खुला भंडारा मां भक्त विनोद सहगल और परिवार द्वारा होगा। जयंती से पहले ही पूजा कार्य शुरू कर दिए हैं,पूजन में सर्वश्री प्रशोतम बंसी,राजन उप्पल,पवन कांत वोहरा,पवन अग्रवाल,दीपक गुप्ता, तेजिंदर कपूर,सचिन बेरी आदि ने भाग लिया।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Mutual Divorce vs Contested Divorce — कौन बेहतर?

तलाक के मामलों में आमतौर पर दो तरीके होते हैं—Mutual Divorce (आपसी सहमति से तलाक) और Contested Divorce (विवादित तलाक)। दोनों की प्रक्रिया, समय और प्रभाव अलग-अलग होते हैं।

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Mutual Divorce तब होता है जब पति और पत्नी दोनों आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लेते हैं। इसमें दोनों पक्ष शर्तों—जैसे maintenance, child custody, property—पर पहले ही सहमत हो जाते हैं। इसके बाद अदालत में संयुक्त याचिका (joint petition) दाखिल की जाती है।

इस प्रक्रिया में आमतौर पर 6 महीने का "cooling-off period" होता है (कुछ मामलों में इसे कम भी किया जा सकता है), और उसके बाद तलाक granted हो जाता है। यह तरीका अपेक्षाकृत तेज, कम खचीर्ला और कम तनावपूर्ण होता है।

दूसरी ओर, **Contested Divorce** तब होता है जब एक पक्ष तलाक चाहता है और दूसरा सहमत नहीं होता, या दोनों के बीच शर्तों पर विवाद होता है। इसमें grounds साबित करने पड़ते हैं—जैसे cruelty, desertion, adultery आदि।

Contested Divorce में evidence, witnesses और लंबी सुनवाई की प्रक्रिया होती है, जिससे यह मामला कई साल तक चल सकता है। इसमें समय, खर्च और मानसिक तनाव अधिक होता है।

कई बार लोग भावनात्मक निर्णय लेकर contested case शुरू कर देते हैं, जबकि बाद में वही मामला settlement पर आकर खत्म होता है।

निष्कर्ष : Mutual Divorce जहां संभव हो, वह तेज और व्यावहारिक विकल्प है। Contested Divorce तभी अपनाना चाहिए जब समझौते की कोई संभावना न हो और कानूनी आधार मजबूत हो।

पंचकूला मेयर चुनाव: श्यामलाल बंसल की उम्मीदवारी से बढ़ी सियासी सरगर्मी

पंचकूला/यूटर्न/22 अप्रैल। नगर निगम चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पार्टी द्वारा श्यामलाल बंसल को मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। जैसे ही उनके नाम की घोषणा हुई, सेक्टर-2 स्थित उनके निवास पर समर्थकों और नेताओं का जमावड़ा लग गया। ढोल-नगाड़ों, फूलों की मालाओं और मिठाइयों के साथ कार्यकताओं ने जश्न मनाया। श्यामलाल बंसल को लंबे समय से पार्टी के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा, शांत स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाना जाता है। स्थानीय नेताओं का मानना है कि उनकी साफ-सुथरी छवि और जमीनी पकड़ चुनाव में पार्टी को मजबूती देगी। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि पार्टी ने गुटबाजी को खत्म करने और जनता के बीच सकारात्मक संदेश देने के लिए एक संतुलित और गंभीर चेहरे को मैदान में उतारा है। जनहित देसी से खास बातचीत में बंसल ने कहा, ह्लमैं पार्टी का आभारी हूं और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। मेरा लक्ष्य पंचकूला का समग्र विकास और पारदर्शी प्रशासन है।ह्व कार्यकताओं का भी मानना है कि उनके अनुभव से शहर को नई दिशा मिलेगी।

स्प्रिंग डेल में बहुत ही सुचारू ढंग से मनाया गया धरा दिवस

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना में स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल में धरा दिवस बहुत ही सुचारू और पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर, स्कूल के बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर इस दिन की शोभा को और बढ़ा दिया। इस मौके पर, बच्चों ने 'हमारी शक्ति', 'हमारी पृथ्वी' नारे पर आधारित एक रैली निकाली और समाज को अपनी पृथ्वी को सुरक्षित और स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। मुख्य गतिविधियों में, किंडरगार्टन के सभी बच्चों ने अपने सिर पर हस्तनिर्मित टोपियाँ पहनीं और प्रकृति का आनंद लेते हुए हरे-भरे बगीचे में सैर की। मिडिल सेक्शन के बच्चों ने भी पोस्टर और पेंटिंग बनाई। सीनियर सेक्शन के बच्चों

ने भी सुबह की प्रार्थना सभा में 'पृथ्वी दिवस' पर अपने विचार सांझा किए और कविताएँ सुनाई। प्राइमरी सेक्शन के बच्चों ने कहानी सुनाने की प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने विचार सांझा किए। स्कूल की चेयरपर्सन अविनाश कौर वालिया ने सभी बच्चों को धरती माँ के संरक्षण और उसकी सुंदरता को बनाए रखने के लिए हर समय बड़े कदम उठाने हेतु प्रेरित किया। इसके साथ ही, डायरेक्टर्ज. मनदीप वालिया, कमलप्रीत कौर, डिप्टी डायरेक्टर सोनिया वर्मा और प्रिंसिपल अनिल कुमार शर्मा ने भी बच्चों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों की खूब प्रशंसा की और सभी बच्चों को अपनी इस अनमोल पृथ्वी की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया।

नशा तस्करी में महिलाओं की बढ़ रही भागीदारी, अब एक और महिला 5.85 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना में लगातार नशा तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं। लेकिन इन मामलों में कई चौंकाने वाली बातें सामने आ रही हैं। जहां पहले ज्यादातर पुरुष इन मामलों में शामिल होने पर पकड़े जाते थे। वहीं अब महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ती जा रही है। जिसके चलते लुधियाना पुलिस द्वारा एक हफ्ते के दौरान पांच महिलाएं तस्करी करते हुए गिरफ्तार की गई हैं। अब हाल ही में चौकी आत्म पार्क की पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। जिससे 5.85 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। थाना मॉडल टाउन की पुलिस ने भगत सिंह नगर की रहने वाली परमजीत कौर उर्फ पम्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर रही है। चौकी आत्म पार्क के इंचार्ज एएसआई सुनील कुमार सैनी ने बताया कि वह पुलिस पार्टी समेत गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि उक्त आरोपी महिला नशा तस्करी करने के लिए जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने रेड की। रेड के दौरान महिला पुलिस द्वारा आरोपी महिला को काबू कर तलाश ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.85 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

एक ही परिवार की पकड़ी गई तीन महिलाएं

वहीं बता दें कि चौंकी आत्म नगर की पुलिस द्वारा 16 अप्रैल को एक ही परिवार की तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया था। जिनकी पहचान मनोहर नगर गली नंबर दो की रहने वाली रेखा, मुन्नी और बेबी के रुप में हुई थी। जिनसे 15 ग्राम हेरोइन, 40 नशीली गोलियां, दो इलेक्ट्रानिक कांटे और 4500 रुपए की ड्रगमनी बरामद हुई थी।

महिलाओं के ड्रग चेन में शामिल होने के कई अहम कारण

वहीं एक्सपर्ट की मानें तो महिलाओं द्वारा नशा तस्करी करने के 2 से 3 अहम कारण हैं। सबसे पहले तो महिलाओं के परिवार में ही कुछ मेंबर इस धंधे में शामिल होते हैं, जिसके चलते वह महिलाओं को भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। दूसरा कारण यह है कि पंजाब पुलिस द्वारा ड्रग्स के खिलाफ मुहिम चलाई जा रही है। जिसके चलते तस्कर अलर्ट पर हैं। इसी कारण वह महिलाओं को पार्सल बनाकर सप्लाई करवा रहे हैं, क्योंकि महिलाओं पर जल्द कोई शक नहीं करता। वहीं तीसरा कारण यह है कि महिलाओं को नौकरी करके पैसा कमाने की जगह तस्करी करके कमाई करना आसान लगता है। इसके लिए उन्हें काफी ज्यादा पैसों का लालच भी दिया जाता है।

वार्ड 94 में आप में शामिल हुए भाजपा कार्यकर्ता, विधायक बग्गा ने किया स्वागत

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। विधानसभा उत्तरी स्थित वार्ड 94 में भाजपा से जुड़े कई कार्यकताओं ने आम आदमी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। भाजपा महिला मोर्चा सलेम टाबरी मंडल की पूर्व उपाध्यक्ष मीनाक्षी रानी (हेमा) व सोशल मीडिया इंचार्ज वरिन्द्र पाल पप्पू का आम आदमी पार्टी में शामिल होने पर विधायक चौ.मदन लाल बग्गा ने स्वागत किया। इस मौके पर पार्षद अमन बग्गा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विधायक बग्गा ने आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र करते हुए कहा पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे जनहित में किए जा रहे कार्यों से

प्रभावित होकर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता भी अब आप की नीतियों पर विश्वास जता रहे हैं। उन्होने कहा वार्ड-94 के विकास और क्षेत्र में सडक, सफाई, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा छोड़.कर आप में शामिल हुई मीनाक्षी रानी (हेमा) व रविन्दरपाल ने कहा कि वे आम आदमी पार्टी की नीतियों और मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व व विधायक बग्गा के विकास से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं।

डेयरी संचालकों ने बढ़ाए दूध के दाम बढ़ाए, एक मई से हर प्रकार के दूध में पांच रुपए होगी बढ़ोतरी

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना में डेयरी मालिकों की और से बढ़ती महंगाई को देखते हुए डेयरी दूध के दाम बढ़ाने का फैसला लिया है। एक मई से दूध के दाम पांच रुपए बढ़कर लगेगें। जिसके जनता की जेब पर भारी बोझ डलेगा। बढ़ती महंगाई और लेबर संकट के चलते हैबोवाल और ताजपुर रोड डेयरी एसोसिएशन ने संयुक्त बैठक में यह फैसला किया है। जानकारी देते हुए डेयरी एसोसिएशन के प्रधान कुलदीप सिंह लाहोरिया व चेयरमेन परमिंदर सिंह बोबी ने

कहा कि ताजपुर रोड और हम्बड़ा रोड दोनों डेयरी कॉम्प्लेक्स की आज साझा बैठक हुई है। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बढ़ते खर्चों के कारण अब दूध सस्ता देना संभव नहीं है। यह बढ़ोतरी की दरें पूरे लुधियाना में लागू होगी। एसोसिएशन के मुताबिक लगातार बढ़ती महंगाई के कारण पशुओं के चारे की कीमतों में इजाफा हुआ है। वहीं लेबर की कमी और मजदूरी में बढ़ोतरी हो रही है। गैस सिलेंडर न मिलने से काम प्रभावित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय हालात का असर के कारण अब डेयरी कारोबार चलाना मुश्किल हो रहा है।

यह होंगे नए दाम...एक मई से ये नए दाम भी तय कर लिए गए हैं। जिसके चलते 65 रुपए प्रति किलो वाला वाला दूध अब 70 रुपए में मिलेगा। 70 रुपए प्रति किलो वाला दूध अब 75 में मिलेगा। वहीं 75 रुपए प्रति किलो वाला दूध अब 80 रुपए में मिलेगा।

हाईवे पर तेज वाहन की टक्कर से युवक की मौत, पहचान नहीं हो सकी

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना-फिरोजपुर हाईवे पर मंगलवार देर रात नानकसर ब्रिज के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वान ने टक्कर मार दी। जिस कारण युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसएसएफ की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर थाना सिटी की बस स्टैंड चौकी पुलिस को जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यदि 72 घंटे के भीतर मृतक की पहचान नहीं हो पाती है, तो कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद

पोस्टमार्टम करवा कर शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। एसएसएफ के अधिकारी गुरप्रीत सिंह ने बताया कि मंगलवार देर रात रेंज ऑफिस लुधियाना से नानकसर ब्रिज के पास झुग्गियों के नजदीक सड़क हादसे की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची, जहां एक व्यक्ति खून से लथपथ गंभीर हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला। जांच में उसकी मौत की पुष्टि हुई, मृतक के सिर पर गहरी चोट थी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि किसी अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को टक्कर मारी और चालक फरार हो गया।

कूरियर कंपनी के ऑफिस से सवा 2 लाख कैश और लॉकर चोरी

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। चंडीगढ़ रोड स्थित सेक्टर-39 इलाके में चोरों ने शैडोफैक्स कूरियर कंपनी से सवा 2 लाख रुपए की नकदी और लॉकर भी चोरी कर लिया। थाना मोती नगर की पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह पूरी वारदात ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि बुधवार सुबह करीब 1:30 बजे दो नकाबपोश चोर ऑफिस के बाहर पहुंचते हैं। कंपनी के प्रतिनिधि जसजीत सिंह ने बताया कि वे रात 10 बजे ऑफिस लॉक करके गए थे। सुबह जब टीम लीडर अनलोडिंग के लिए पहुंचे, तब चोरी का पता चला। चोरों ने बड़ी चालाकी से शटर का ताला तोड़ा और उसे ऊपर उठाकर अंदर पहुंचे। वीडियो में दोनों संदिग्ध ऑफिस के अंदर घूमते और सीधे उस जगह पहुंचते नजर आ रहे हैं जहां कैश लॉकर रखा था। चोरों ने न तो वहां रखे कीमती पार्सल छुए और न ही किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान को हाथ लगाया। वे सीधे लॉकर उखाड़कर वहां से फरार हो गए।

मिशन क्लीन एयर: मंडी गोबिंदगढ़ में प्रदूषण पर कड़ा एक्शन शुरू

चंडीगढ़, /यूटर्न/22 अप्रैल। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत 'मिशन क्लीन एयर मंडी गोबिंदगढ़' की औपचारिक शुरूआत करते हुए जिला प्रशासन के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक की अगुवाई पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता और सदस्य सचिव डॉ. लवनीत कुमार दुबे ने की, जिसमें डिप्टी कमिश्नर डॉ. सोना थिंद, एडीसी पूजा स्याल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंडी गोबिंदगढ़ को 'नॉन-अटेनमेंट सिटी' के रूप में चिन्हित किया गया है, जहां वायु गुणवत्ता मानक लगातार पूरे नहीं हो रहे हैं। पीपीसीबी द्वारा किए गए फील्ड सर्वे और सोर्स अपोर्शनमेंट अध्ययन में सड़क की धूल, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन और कचरा प्रबंधन की खामियां प्रमुख कारण बताए गए।

चंडीगढ़ में अवैध निर्माण पर सख्ती: 32 हजार मकानों को नोटिस, हाउसिंग बोर्ड का बड़ा अभियान तेज

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड ने शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करते हुए करीब 32 हजार मकानों को नोटिस जारी किए हैं। यह कदम पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद उठाया गया है, जिससे पूरे शहर में हलचल मच गई है। अधिकारियों के अनुसार जिन मकानों में स्वीकृत नक्शे से हटकर निर्माण किया गया है जैसे अतिरिक्त कमरे, छत पर ढांचे, बालकनी या संरचना में बदलाव उन्हें चिन्हित कर नोटिस भेजे गए हैं। कई जगहों पर खंभों और दीवारों में बदलाव को सुरक्षा के लिए खतरा भी माना गया है।

सेक्टरों में शुरू हुई कार्रवाई

अभियान के तहत सेक्टर-41 और सेक्टर-45 में कुछ अवैध ढांचे पहले ही हटाए जा चुके हैं। अब सेक्टर-29 और सेक्टर-30 के मकानों को नोटिस जारी होने के बाद स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ गई है।

खुद हटाएं उल्लंघन, नहीं तो होगी कार्रवाई

हाउसिंग बोर्ड ने अलॉटियों को चेतावनी दी है कि वे स्वयं अवैध निर्माण हटाकर भवन की मूल संरचना बहाल करें। साथ ही स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्टिफिकेट जमा करना भी अनिवार्य किया गया है, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट के पुराने आदेशों का असर

हाई कोर्ट ने पहले भी असुरक्षित इमारतों की जांच और सुधार को लेकर सख्त निर्देश दिए थे। इन्हीं आदेशों के आधार पर अब प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है, ताकि शहर में भवन नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

विरोध और सियासत भी तेज

हाल ही में सेक्टर-45 में कार्रवाई के दौरान लोगों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई थी, जिसके बाद मामला और गरमा गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है।

वहीं सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि मकान तोड़ना स्थायी समाधान नहीं है और जरूरत के मुताबिक किए गए बदलावों को नियमित करने के लिए नीति बनाई जानी चाहिए। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों ने भी 'वन टाइम सेटलमेंट' की मांग उठाई है।

चुनावी साल में बढ़ी हलचल

नगर निगम चुनाव नजदीक होने के चलते यह मुद्दा अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है। एक तरफ प्रशासन सख्ती दिखा रहा है, तो दूसरी तरफ लोग राहत की उम्मीद में सरकार की ओर देख रहे हैं।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में चंडीगढ़ में महिला आक्रोश, राहुल गांधी और ममता बनर्जी के पुतले फूंके

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आज चंडीगढ़ में महिला शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिला। यह प्रभावशाली प्रदर्शन अपना हुनर संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न वर्गों से आई 300 से अधिक महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रदर्शन की शुरूआत सेक्टर-45 स्थित देव समाज कॉलेज के मुख्य द्वार से हुई, जहां से महिलाओं ने आक्रोश पदयात्रा निकाली। हाथों में तख्तियां और बुलंद नारों के साथ महिलाओं ने संसद में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ल का विरोध करने वाले विपक्षी नेताओं के खिलाफ अपना कड़ा रोष प्रकट किया।

प्रदर्शन का समापन सेक्टर-45 और सेक्टर-33 की डिवाइडिंग रोड पर राहुल गांधी और ममता बनर्जी के पुतले फूंककर किया गया, जो उनके विरोध का प्रतीक बना। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे ठोस नीतियों और निर्णायक कदमों के माध्यम से लागू करना समय की मांग है।

अपना हुनर संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह आंदोलन महिलाओं के अधिकारों और समान भागीदारी की दिशा में एक सशक्त संदेश है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की महिलाएं अब अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह जागरूक हैं और किसी भी प्रकार के विरोध को बर्दाश्त नहीं करेंगी।

पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें महिला शक्ति की एकजुटता, जागरूकता और दृढ़ संकल्प स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

धरती की पुकार, बच्चों का हुंकार: जी.एच.जी. अकादमी में 'पृथ्वी दिवस' की धूम

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/अप्रैल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए, जी.एच.जी. अकादमी, जगरांव में 'पृथ्वी दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। ₹हरित भविष्य की ओर एक कदम₹ के संकल्प के साथ कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता से पूरे परिसर को ईको-फ्रेंडली रंग में रंग दिया।

रचनात्मकता से दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश...इस आयोजन की खास बात यह रही कि हर विद्यार्थी ने व्यक्तिगत रूप से गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिससे प्रकृति के साथ उनका सीधा जुड़ाव महसूस हुआ:

नन्हे कलाकार (कक्षा 1-2): छोटी उंगलियों ने रंग भरो गतिविधि के माध्यम से कैनवास पर प्रकृति के सुंदर रंग उकेरे।

कल्पना के रंग

(कक्षा 3): पोस्टर मेकिंग के जरिए बच्चों ने 'बचती पृथ्वी, बढ़ता जीवन' के संदेश को प्रभावशाली ढंग से दशार्या।

जागरूकता की गूँज

(कक्षा 4-5): विद्यार्थियों ने न केवल नारा लेखन किया, बल्कि एक जोशीली जागरूकता रैली निकालकर समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया।

31 मई तक प्रॉपर्टी टैक्स पर अधिकतम छूट, समय पर भुगतान की अपील

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन चंडीगढ़ ने शहर के निवासियों और प्रॉपर्टी मालिकों से अपील की है कि वे प्रॉपर्टी टैक्स का समय पर भुगतान कर अधिकतम रिबेट (छूट) का लाभ उठाएं। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रॉपर्टी टैक्स का असेसमेंट वर्ष 2026-27 एक अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है। निर्धारित अवधि के भीतर टैक्स जमा करने पर आकर्षक छूट दी जा रही है। उन्होंने बताया कि रिहायशी प्रॉपर्टी मालिकों को 20 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी, जबकि कमर्शियल प्रॉपर्टी पर 10 प्रतिशत रिबेट का प्रावधान है। यह छूट 1 अप्रैल से 31 मई 2026 तक किए गए भुगतान पर लागू होगी। वहीं, चेक और डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से भुगतान 26 मई 2026 तक ही स्वीकार किया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि समय पर प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने से जहां नागरिकों को आर्थिक लाभ मिलता है, वहीं इससे नगर निगम की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम की आय का प्रमुख स्रोत है, जिससे सफाई, सड़कों का रखरखाव, जलापूर्ति और शहरी विकास जैसे आवश्यक कार्य किए जाते हैं। नागरिकों को सलाह दी गई है कि भुगतान करने से पहले ई-सम्पर्क पोर्टल पर अपनी बकाया राशि और डिमांड की जांच कर लें, ताकि निर्धारित अवधि में भुगतान कर रिबेट का लाभ लिया जा सके। नगर निगम ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भुगतान की सुविधा उपलब्ध करवाई है और लोगों से अपील की है कि अंतिम समय की परेशानी से बचने के लिए समय रहते अपना टैक्स जमा करें।

डॉक्टरो पर फिर होने लगी लक्ष्मी मेहरबान, ब्लैंक चेक जैसी ऑफर अस्पतालों में हड़कंप

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 22 अप्रैल। शहर के अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों पर लक्ष्मी फिर से मेहरबान होने जा रही है शहर में बनने वाले नये अस्पतालों के प्रबंधकों की नजरे निजी अस्पतालों के डॉक्टर पर हैं जिनकी मरीजों में गहरी पेठ है हालांकि यह सिलसिला भी शुरू हुआ बताया जाता है परंतु आने वाले दिनों में कई अस्पतालों से आने वाली ऑफर शहर के डॉक्टर के भाव बढ़ा सकती है वहीं निजी और कॉर्पोरेट अस्पताल प्रबंधनों की नींदे अब उड़ने को है यह दौर पहले भी चल चुका है इसमें कई अस्पतालों ने निजी अस्पतालों के रिटायर होने वाले डॉक्टर पर ही दाब आजमाया तो कई बड़ी मछलियां उनके कांटे में फस गई परंतु कॉर्पोरेट अस्पतालों का वातावरण इस तरह का है कि थोड़े से बाद ही डॉक्टर कीटन ओवर पर सवाल किए जाने लगे इस पर इन अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों का कहना है कि जब निजी और कॉर्पोरेट अस्पतालों के वातावरण के अनुरूप ही चलना है तो क्यों ना अपने भाव भी बढा लिए जाएं उल्लेखनीय है कि कई अस्पतालों ने जब डॉक्टर पर प्रलोभन का दाब आजमाया तो उन्हें पैसे के साथ जिस स्पेशलिटी के वह डॉक्टर है उसे विभाग का उन्हें प्रमुख ना कहकर डायरेक्टर कह दिया परंतु कॉरपोरेट और निजी अस्पतालों के डॉक्टर और उनके प्रबंधन का कहना है कि

डॉक्टर का औहदा इसलिए भी ऊंचा कर दिया कि की डॉक्टर को यह वालों की बस इससे आगे उन्हें इज्जत मिलने वाली नहीं वह डायरेक्टर से आगे ना सोचे अपनी टर्नओवर बढ़ाएं और बदले में अस्पताल से दिए जाने वाले लाभ ग्रहण करें इसमें दोनों का ही फायदा है परंतु वर्तमान दौर के चलन में रंग चुके डॉक्टर का कहना है की तरक्की स्थान बदलने से ही मिलती है और यह सच भी साबित हो रहा है वह यहां भी बड़ी ऑफर मिलने पर आए थे अब इसलिए आगे मिलने वाली ऑफर पर गौर कर रहे हैं। एक निजी अस्पताल में कार्य कर रहे डॉक्टर ने कहा कि कि वह वर्तमान अस्पताल की राजनीति से बेहद तंग है दर्जनों डॉक्टर यहां से जाने को तैयार बैठे हैं जैसे ही ऑफरों का दौर आया तो कई डॉक्टर सरपट भाग कर नए निजी अस्पतालों का रुख कर लेंगे। नए आने वाले अस्पतालों द्वारा कई एजेंसी भी हायर कर रखी है जो डॉक्टरों की रेपुटेशन और उनकी ओपीडी का आकलन कर रिपोर्ट अस्पताल प्रबंधकों को देंगे जिन डॉक्टरों की शहर में काफी साथ है उन्हें पहले ही शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है पुणे ब्लैंक चेक जर्सी ऑफर आने की पूरी संभावना है गौरतलाप है कि आने वाले समय में लुधियाना जिले में और आसपास आने वाले नए अस्पताल अपने अस्पतालों में बेहतर डॉक्टरों की तैनाती को लेकर प्रतिस्पर्धा में भी उल्लेख सकते हैं ऐसे में इसका लाभ सीधे तौर पर डॉक्टर को मिलेगा एक निजी अस्पताल प्रबंधन के सूत्रों ने बताया कि वह प्रसिद्ध डॉक्टरो की सूची बनाने के अलावा सेकंड लाइन में आने वाले अपकमिंग डॉक्टरो का भी आकलन कर रहे हैं जो आने वाले समय में सीनियर डॉक्टरों की जगह लेंगे इसके अलावा यह भी देखा जा रहा है कि किस डॉक्टर की कितनी ओपीडी है और सप्ताह में कितने मरीज उसकी देखरेख में अस्पताल में भर्ती होते हैं उन्होंने कहा कि यह अभी शुरूआत है आने वाले समय में इसमें काफी तेजी आएगी और जो तूफान डॉक्टर को आर्थिक तौर पर लुभाने के लिए उठने वाला है वह अस्पताल प्रबंधकों के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

कई अस्पताल प्रबंधकों से तंग तो कई प्रमोशन के हकदार

अस्पतालों में डॉक्टरों की तरह थी को लेकर जो तस्वीर अब तक सामने आई है उसमें यह पता चला है कि के डॉक्टर अस्पताल के प्रबंधकों से काफी तंग है और अपने सीनियर्स द्वारा पीड़ित है इसके अलावा जिन डॉक्टरों के पास मरीज कम है उन डॉक्टरों की बेइज्जती अस्पताल प्रबंधन की मीटिंग के बीच ही कर दी जाती है और उन्हें अधिक मरीज भर्ती करने को कहा जाता है इसके अलावा कई डॉक्टरों का काम बहुत अच्छा है पर अस्पतालों द्वारा उन्हें प्रमोट नहीं किया जा रहा ना ही कोई अतिरिक्त आर्थिक लाभ दिए जाते हैं ऐसे में इन डॉक्टरों का कहना है कि नहीं जगह पर उनकी आर्थिक प्रमोशन होगी और उनकी काबिलियत को पहचाना जाएगा।

23 प्रतिशत रेल लाइनों पर 130 किलोमीटर की स्पीड से दौड़ सकती हैं ट्रेन

2 करोड़ यात्री करते हैं सफर 137000 किलोमीटर रोज दौड़ती हैं रेलगाड़ियां

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं।

मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है।

अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती।

इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है।

हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं। 130 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ 6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे सफर का समय कम हुआ है, ट्रेनें ज्यादा समय पर चल रही हैं और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज ट्रेनें चलाना आसान हुआ है।

बारह साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किलोमीटर प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। आज स्थिति बदल चुकी है। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है। रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं।

(लेखक, भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं)

सनमति विमल जैन स्कूल में 'पृथ्वी दिवस' पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/अप्रैल। स्थानीय सनमति विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में 'पृथ्वी दिवस' (Earth Day) के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता को लेकर व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राइमरी और सीनियर सेकेंडरी विभाग के विद्यार्थियों ने इस दिवस को बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया।

मुख्य कार्यक्रम और गतिविधियाँ

कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना द्वारा किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि धरती को बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, पानी की बचत करने और प्रदूषण कम करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं और प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं।

रचनात्मक प्रस्तुतियाँ: भाषण, कविता पाठ और लघु नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिताएं: क्विज और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी कला और ज्ञान का प्रदर्शन किया।

जागरूकता: छात्रों ने सुंदर पोस्टरों और स्लोगन के जरिए आम जनता को प्रकृति के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

विश्व पृथ्वी दिवस: जगरांव में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का नारा, विद्यार्थियों ने निकाली भव्य जागरूकता रैली

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/अप्रैल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए 'द ग्रीन पंजाब मिशन टीम इंटरनेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) जगरांव द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में शहर के विभिन्न प्रमुख स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज को 'धरती बचाने' का संदेश दिया।

प्रमुख स्कूलों की रही भागीदारी...जागरूकता रैली में सन्नमति विमल जैन स्कूल, स्वामी रूप चंद जैन स्कूल, श्रीमती तारा देवी जिंदल स्कूल, लाजपत राय कन्या विद्यालय, रूप वाटिका और सर्वहितकारी विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक शिरकत की। हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर बच्चे शहरवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते नजर आए।

प्रख्यात शख्सियतों ने बढ़ाया उत्साह...इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की और पृथ्वी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मुख्य रूप से : कैप्टन नरेश वर्मा, डॉ. रजिंदर शर्मा, पूर्व ईओ मनोहर सिंह, रजिंदर जैन, मनोहर सिंह टक्कर, शशि जैन, रजिंदर जैन काका, सरदार हरनारायण सिंह, टोनी वर्मा, सुनील कक्कड़, सेवानिवृत्त लेक्चरर सरदार गुरप्रीत सिंह और नवनीत सिंह (यूरोकैड स्कूल) सहित शहर की अन्य प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। वक्ताओं ने अपने संबोधन में जनता से प्लास्टिक का उपयोग कम करने और जीवन के हर खुशी के अवसर पर कम से कम एक पौधा लगाने की पुरजोर अपील की।

ऑपरेशन सेल का बड़ा खुलासा: 8 गिरफ्तार, 14 पिस्टल और 15 कारतूस बरामद

पकड़े गए आरोपियों के लकी पटियाल -बंबीहा गैंग से जुड़े तार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। चंडीगढ़ पुलिस के ऑपरेशन सेल ने ट्राईसिटी में संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनका कनेक्शन कुख्यात लकी पटियालझबंबीहा गैंग से सामने आया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 14 पिस्टल और 15 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा, आईजीपी पुष्पेंद्र कुमार और डीआईजी राजीव रंजन सिंह के निदेर्शों तथा एसपी ऑपरेशन गीतांजलि खंडेलवाल की निगरानी में अंजाम दी गई। ऑपरेशन सेल की टीम ने डीएसपी विकास श्योकंद के नेतृत्व में इंस्पेक्टर हरिन्दर सिंह सेखों, इंस्पेक्टर सतवींदर की टीम ने इस पूरे नेटवर्क को ट्रैक कर धर दबोचा।

गुप्त सूचना से खुला बड़ा राज

14 अप्रैल 2026 को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने मनीमाजरा निवासी राहुल उर्फ रैली और मोनू उर्फ कंडू को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान इनके पास से 6 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, 2 देसी कट्टे और 5 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि राहुल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से अवैध हथियार लाकर ट्राईसिटी में गैंगस्टरों को सप्लाई करता था। वहीं मोनू कंडू इस नेटवर्क का कनेक्टर था, जो सप्लायरों से संपर्क कर डिमांड के अनुसार हथियार उपलब्ध कराता था।

एक के बाद एक गिरफ्तारी, नेटवर्क की परतें खुलीं

पुलिस ने कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए गोविंद उर्फ गौरव को गिरफ्तार किया, जिसके पास से एक पिस्टल और कारतूस बरामद हुआ। उसने कबूल किया कि वह इलाके में दहशत फैलाने के लिए हथियारों का प्रदर्शन करता था।

इसके अलावा अलग-अलग मामलों में भी आरोपी दबोचे गए:

01. अमन उर्फ बतक (मोहाली) : देसी कट्टा व कारतूस
02. संजू उर्फ कांचा (सेक्टर-38) : देसी कट्टा व कारतूस
03. मुकेश उर्फ गुल्लू : मुठभेड़ में घायल, .32 बोर पिस्टल व 3 कारतूस
04. गुरदीप सिंह और मोनू जायसवाल रू देसी हथियार बरामद

सेक्टर-25 में मुठभेड़, चली गोलियां

ऑपरेशन के दौरान सेक्टर-25 में पुलिस और आरोपी मुकेश गुल्लू के बीच मुठभेड़ हुई। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में वह पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे तुरंत सेक्टर-16 अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यूपी-मध्य प्रदेश से जुड़ा बड़ा नेटवर्क

जांच में सामने आया है कि यह गैंग उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से अवैध हथियार मंगवाकर चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा में सक्रिय गैंगस्टरों तक पहुंचा रहा था। इन हथियारों का इस्तेमाल हत्या, लूट और रंगदारी जैसी गंभीर वारदातों में किया जाना था।

एसपी गीतांजलि खंडेलवाल ने साफ किया है कि ऑपरेशन सेल ऐसे संगठित अपराधी नेटवर्क पर लगातार नजर रखे हुए है और आने वाले समय में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बीबीएमबी जल विवाद: हाई कोर्ट ने पंजाब की याचिका ठुकराई, केंद्र से संपर्क की दी सलाह

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड से जुड़े जल विवाद मामले में पंजाब सरकार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। अदालत ने हरियाणा को पानी दिए जाने के फैसले के खिलाफ दायर पंजाब की याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में तय वैधानिक प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

पंजाब सरकार ने बीबीएमबी द्वारा हरियाणा को 8500 क्यूसेक पानी देने के निर्णय को चुनौती दी थी। राज्य का कहना था कि यह फैसला उसकी सहमति के बिना लिया गया और बोर्ड ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम किया। पंजाब ने यह भी दलील दी कि तकनीकी समिति की बैठक में ह्लद्विपक्षीय सहमतिह्व की शर्त को हटाकर एकतरफा निर्णय लागू किया गया।

हालांकि, हाई कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर पहले ही सुनवाई हो चुकी है और संबंधित पक्ष के पास वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं। अदालत ने दोहराया कि जल वितरण जैसे तकनीकी और नीतिगत मामलों में सीधे न्यायिक हस्तक्षेप सीमित होता है।

कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि यदि पंजाब सरकार को बीबीएमबी के फैसले पर आपत्ति है, तो वह नियमों के तहत केंद्र सरकार के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि जिस अवधि के लिए पानी छोड़ा गया था, वह अब समाप्त हो चुकी है। इसके अलावा, अदालत ने बीबीएमबी के कामकाज में कथित हस्तक्षेप को लेकर दायर अवमानना याचिका का भी निपटारा कर दिया और कहा कि अब इस पर कोई औचित्य नहीं बनता। इस फैसले को हरियाणा के लिए राहत और पंजाब के लिए झटका माना जा रहा है, जबकि विवाद के समाधान के लिए अब केंद्र सरकार का दरवाजा खुला है।

वार्ड-24 में जनसमस्याओं पर मंथन, सांसद मनीष तिवारी ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

चंडीगढ़/यूटर्न/22 अप्रैल। सेक्टर-42 बी स्थित कम्युनिटी सेंटर में वार्ड नंबर 24 के निवासियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एरिया पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने की। इसमें सांसद मनीष तिवारी, चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की और जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में वार्ड से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही इन समस्याओं के जल्द समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक मुद्दे उठाने का आश्वासन दिया गया। बैठक के दौरान बूथ लेवल एजेंट्स और बूथ लेवल ऑफिसर्स के कार्यों की समीक्षा भी की गई। पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने बताया कि वार्ड के सभी बूथों पर बीएलओ नियुक्त किए जाएंगे, जो वोट बनवाने, कटवाने और सुधार से जुड़ी समस्याओं में लोगों की मदद करेंगे। इस पर सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि आगामी दो महीनों तक वोट से संबंधित विशेष अभियान चलाया जाएगा। मीटिंग में सेक्टर-36 के निवासियों ने एमसीएम कॉलेज के सामने बढ़ती ट्रैफिक, जाम और झगड़ों की समस्या उठाई। इस पर सांसद ने आश्वासन दिया कि वे डीजीपी से बातचीत कर समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा, वार्ड में चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई और लोगों से अपील की गई कि वे ऐसी बैठकों में अधिक संख्या में भाग लेकर क्षेत्र के विकास में सहयोग दें।

लिव-इन में रह रहे युवक की खून से लथपथ लाश मिली

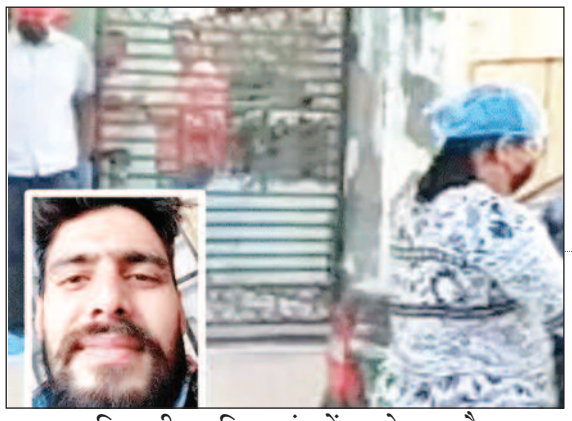

खरड़/यूटर्न/22 अप्रैल। मोहाली में युवक का शव उसके घर में खून से लथपथ हालत में मिला। युवक पिछले 6 साल से युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। घटना की सूचना युवती ने ही पुलिस हेल्पलाइन पर दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे की है। युवक की पहचान जसप्रीत (40) निवासी खरड़ के रूप में हुई है। वह सेक्टर-125 स्थित सन्नी एन्क्लेव में युवती के साथ रहता था। युवती ने पुलिस को बताया कि वह काम पर गई थी। शाम को जब घर पहुंची तो जसप्रीत जमीन पर खून से सना हुआ मिला। इसके बाद पुलिस के साथ मृतक के भाई गुरदीप सिंह को भी घटना की जानकारी दी गई।

फरवरी में हादसे में हुआ था घायल

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जसप्रीत सिंह शराब पीने का आदी था। हाल ही में 5 फरवरी को बलौंगी क्षेत्र में एक बाइक एक्सीडेंट में उसके माथे पर गंभीर चोट आई थी, जिसके चलते उसे पीजीआई में इलाज करवाना पड़ा था। पुलिस के मुताबिक युवक बिस्तर पर सोया हुआ था। नीचे गिरने के दौरान वह सिर के बल गिरा, जिससे पुराना घाव फिर से खुल गया। उसकी आइब्रो के पास चोट का निशान मिला है। ज्यादा खून बहने से मौत हुई है। घटना के समय घर में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था।

कभी-कभी डिलीवरी बॉय का काम करता था

जिस घर में रहता था, वह उसकी मां के नाम पर है। परिजनों के मुताबिक, जसप्रीत बेरोजगार था। कभी-कभी ब्लिंकिट जैसी डिलीवरी सेवाओं में डिलीवरी बॉय का काम कर लेता था। फोरेंसिक टीम ने मौके से जुटाए साक्ष्य घटना की सूचना के बाद फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। सिविल अस्पताल खरड़ में तीन डॉक्टरों की टीम ने उसका पोस्टमॉर्टम किया। फिलहाल, मृतक के परिवार ने मामले में किसी साजिश की आशंका नहीं जताई है।

पृथ्वी दिवस पर विधिक सेवा प्राधिकरण का संदेश: पर्यावरण संरक्षण ही भावी पीढ़ी का सुरक्षा कवच

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/22/अप्रैल। जिला कानूनी सेवाएं प्राधिकरण (DLSA), लुधियाना के दिशा-निर्देशों के तहत आज जगरांव के सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 'पृथ्वी दिवस' (Earth DÔy) के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें उनके संवैधानिक कर्तव्यों से अवगत कराना रहा।

मुख्य आकर्षण और गतिविधियाँ...कानूनी और नैतिक कर्तव्य: सेमिनार के दौरान वक्ताओं ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा करना न केवल हमारा सामाजिक दायित्व है, बल्कि भारत के संविधान के अनुसार हमारा मौलिक कर्तव्य भी है।

प्लास्टिक मुक्त परिसर: छात्राओं को सिंगल-यूज प्लास्टिक के नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और स्कूल परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

कांग्रेस नेता करमजीत सिंह पम्मा ने शिरोमणि अकाली दल में शामिल होने का किया ऐलान, इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने सिरोपा पहनाकर किया स्वागत

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/22 अप्रैल। वरिष्ठ कांग्रेस नेता करमजीत सिंह पम्मा ने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहते हुए शिरोमणि अकाली दल में शामिल होने का ऐलान किया है। इस मौके पर शिरोमणि अकाली दल हलका बठिंडा शहरी के इंचार्ज इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने उन्हें सिरोपा पहनाकर पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल करवाया। इस अवसर पर इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने कहा कि पम्मा के अकाली दल में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पम्मा को पार्टी में पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा और संगठन में उचित जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी।

इस कार्यक्रम में कई प्रमुख नेता भी मौजूद रहे, जिनमें बलविंदर सिंह बली, गुरप्रीत सिंह संधू, बीबी बलविंदर कौर, मनिंदर सिंह सोढ़ी, सतविंदर सिंह और युवा नेता गैरी सिद्धू शामिल थे। इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल लगातार मजबूत हो रही है और 2027 में पंजाब में सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता अब प्रदेश के विकास और तरक्की के लिए अकाली दल से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अकाली दल हमेशा पंजाब के हक, व्यापारियों, किसानों और मजदूरों के मुद्दों के लिए संघर्ष करता रहा है। उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और नशे को खत्म करने के दावे करने वाली सरकार के कार्यकाल में ये समस्याएं और बढ़ी हैं। उनके अनुसार, नशे के कारण रोजाना युवाओं की मौतें हो रही हैं, जबकि सरकार जनता के मुद्दों की बजाय अन्य कार्यों में व्यस्त है। बबली ढिल्लों ने यह भी कहा कि अकाली दल की सरकार बनने पर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा और पहले बंद की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को फिर से शुरू किया जाएगा। इस मौके पर करमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि वह शिरोमणि अकाली दल की नीतियों और बठिंडा में हुए विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

समांथा की बोल्डनेस से इंटरनेट हुआ बेहाल

साउथ की सुपरस्टार समांथा ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट से फिर इंटरनेट पर आग लगा दी है। ब्लैक ट्रांसपेरेंट आउटफिट में उनका सिजलिंग और कॉन्फिडेंट अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है। तस्वीर वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़—किसी ने कहा ह्लहॉटनेस ओवरलोडह्व, तो कोई बोला 'क्वीन इज बैक'! इंडस्ट्री में चर्चा तेज कि समांथा का ये ग्लैमरस लुक किसी बड़े प्रोजेक्ट का हिंट तो नहीं। अब फैंस की नजरें उनकी अगली मूव पर—क्या आने वाला है कोई बड़ा सरप्राइज?

पुलिस का 2 महीने लंबा सर्च ऑपरेशन सफल: लापता किशोरी को पलवल से किया बरामद, बहला-फुसलाकर अगवा कर दुष्कर्म करने वाला जीजा गिरफ्तार

मेडिकल जांच में गर्भवती मिली पीड़िता, पत्नी को बच्चा न होने पर आरोपी ने रची थी साजिश

पंचकूला/यूटर्न/22 अप्रैल। पंचकूला पुलिस ने करीब दो महीने से लापता एक 17 वर्षीय किशोरी को बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने किशोरी के ही एक दूर के रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है, जिसने उसे बहला-फुसलाकर अगवा किया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने किशोरी के साथ दुराचार किया, जिसके चलते वह गर्भवती हो गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि पीड़िता की काउंसलिंग करवाई जा रही है।

मामले की शुरूआत 16 फरवरी 2026 को हुई थी, जब पंचकूला के सेक्टर-19 की रहने वाली एक महिला ने पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, उनकी 17 वर्षीय बेटी 14 फरवरी की रात से अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति, जो उनका रिश्तेदार भी था, उसी रात से गायब था। परिजनों ने शक जताया था कि वही व्यक्ति उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर साथ ले गया है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने बताया कि हमारी एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज प्रवीण कुमार की टीम लगातार इस मामले पर काम कर रही थी। करीब दो महीने की कड़ी मशक्कत और तकनीकी सहायता के बाद, 20 अप्रैल को टीम ने आरोपी का सुराग लगाते हुए उसे पलवल से दबोच लिया और किशोरी को बरामद किया गया।

इसके बाद सेक्टर-19 चौकी इंचार्ज मलकीत सिंह और महिला एएसआई कविता ने जांच को आगे बढ़ाते हुए 21 अप्रैल को किशोरी की मेडिकल जांच कराई, जिसमें उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस जांच के अनुसार, आरोपी और पीड़िता का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और वर्तमान में पंचकूला में निवास कर रहे हैं। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि किशोरी उसकी पत्नी के चाचा की लड़की (साली) है। आरोपी ने बताया कि उसकी अपनी पत्नी से कोई संतान नहीं थी, इसलिए उसने संतान की चाहत में अपनी इस नाबालिग साली के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता के अनुसार इस जघन्य अपराध के लिए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 96, 64(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। आरोपी को 21 अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल पीड़िता की मानसिक स्थिति को देखते हुए उसकी विशेषज्ञ टीम से काउंसलिंग करवाई जा रही है।

लुधियाना में ICSI स्टडी सर्कल मीटिंग: FEMA, FDI और ODI अनुपालन पर गहन चर्चा

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। The Institute of Company Secretaries of India (ICSI) के NIRC के लुधियाना चैप्टर द्वारा 'नेविगेटिंग क्रॉस-बॉर्डर इन्वेस्टमेंट–FEMA: कंपनी सचिवों के लिए FDI और ODI में अनुपालन' विषय पर एक विशेष स्टडी सर्कल मीटिंग का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के जटिल ढांचे और सीमा पार निवेश अनुपालन में पेशेवरों की भूमिका को स्पष्ट करना था।

इस सत्र में प्रैक्टिस कर रहे कंपनी सचिवों, विभिन्न संस्थानों में कार्यरत पेशेवरों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) और ओवरसीज डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (ODI) के व्यावहारिक पहलुओं पर तकनीकी समझ प्रदान की गई।

सत्र का संचालन 'एसएमडी एंड कंपनी' के संस्थापक और NIRC के पूर्व चेयरमैन (2023) Devender Suhag ने किया। उन्होंने दो दशकों से अधिक के अपने कॉर्पोरेट अनुभव के आधार पर FEMA नियमों, अनुपालन चुनौतियों और रणनीतिक दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लुधियाना चैप्टर की चेयरपर्सन Kanchan Bhavya ने निरंतर व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए कंपनी सचिवों को FEMA के जटिल नियमों में महारत हासिल करना जरूरी है। सत्र में FEMA (Non-Debt Instruments) Rules, 2019 में हुए हालिया संशोधनों, FDI/FPI ढांचे में 10% निवेश सीमा, तथा ODI के ऑटोमैटिक और अप्रूवल रूट जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का समापन FEMA कंपाउंडिंग और वैल्यूएशन गाइडलाइन्स पर संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया।

सेक्टर-40 की मार्केटों में लगेंगी हाई मास्ट लाइट्स, पार्षद गुरबख्श रावत ने शुरू कराया काम

चंडीगढ़ /यूटर्न/22 अप्रैल। सेक्टर-40 की विभिन्न मार्केटों में रोशनी की समस्या दूर करने के लिए नई हाई मास्ट लाइट्स लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कार्य की शुरूआत स्थानीय पार्षद गुरबख्श रावत ने मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों और नगर निगम अधिकारियों की मौजूदगी में की। मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य हरजिंदर सिंह बावा ने बताया कि पर्याप्त रोशनी न होने के कारण दुकानदारों और ग्राहकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को पार्षद के समक्ष उठाया गया, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए हाई मास्ट लाइट्स लगाने का काम शुरू किया गया।

इस दौरान राजबीर सिंह सहित अन्य दुकानदारों ने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पार्षद और नगर निगम का आभार जताया। साथ ही मार्केट में टाइल्स से जुड़ी कुछ समस्याएं भी उठाई गईं, जिस पर पार्षद ने जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। पार्षद गुरबख्श रावत ने कहा कि वार्ड की मार्केटों के विकास और नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। इस मौके पर हरजिंदर सिंह बावा, राजबीर सिंह, तरसेम शर्मा, रमेश कुमार, उमेश रॉली, भगत, चिराग, राजदीप सूर्या, राजदीप सिंह, अशोक और राहुल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शुक्रवार को शहर के कई इलाकों में होगा ब्लैकआउट, 15 मिनट चलेगी मॉक ड्रिल

लुधियाना/यूटर्न/22 अप्रैल। लुधियाना जिला प्रशासन की और से शुक्रवार को शहर में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल करने का ऐलान किया गया है। जिसके चलते शुक्रवार रात को 15 मिनट के लिए पूरे शहर में ब्लैकआउट रहेगा। जानकारी के अनुसार पीएयू और अगर नगर पीएसपीसीएल डिवीजन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में शुक्रवार को रात 8 बजे से 8:15 बजे तक 15 मिनट का ब्लैकआउट मॉक ड्रिल किया जाएगा। अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान सहायक आयुक्त पायल गोयल ने निवासियों से सभी प्रकार की लाइटें बंद करके इस ब्लैकआउट अभ्यास का पालन करने की अपील की है। नागरिकों को सूचित करने के लिए धार्मिक स्थलों से सार्वजनिक घोषणाएं की जाएंगी और लगभग शाम 7:55 बजे एक सायरन बजाया जाएगा। सायरन के तुरंत बाद पीएसपीसीएल बिजली सप्लाई बंद कर देगा। यह ड्रिल पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में एक अलार्म के साथ शुरू होगी और इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), फायर ब्रिगेड, जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सिविल डिफेंस और एनसीसी सहित कई एजेंसियों के समन्वित प्रयास शामिल होंगे। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य वास्तविक समय की आपातकालीन स्थिति की तैयारी का अभ्यास करना है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372